◆ ADVT ◆
यहाँ विज्ञापन दें
98700 06472 · need24.digital

NEED24 NEWS
हर ख़बर, हर शहर

नीड 24 न्यूज़

हर खबर, हर शहर

◆ ADVT ◆
यहाँ विज्ञापन दें
98700 06472 · need24.digital

DIGITAL E-PAPER

PRGI APPLICATION UNDER PROCESS
Application No. T/GJ/2026/0619/2304/1577

GST
GSTIN 24CINPG0564Q1ZT

UDYAM REGISTERED
UDYAM-GJ-14-0003714

◆ DIGITAL NEWS NETWORK ◆
भारत का भरोसेमंद बहुभाषी डिजिटल न्यूज़ नेटवर्क
11+ Languages | 24×7 Live | e-Paper Daily

हमारा App डाउनलोड करें
Download on the App Store
GET IT ON Google Play

www.need24.digital
info@need24.in
+91 98700 06472
FOLLOW US:

तेज़ | सटीक | निष्पक्ष | जनहित में | सच की आवाज़ | जन-जन की आवाज़ | निडर पत्रकारिता

अपराध

एसटीएफ और एफएसडीए ने हिमाचल में नकली दवा इकाई पर छापा मारा



विशेष कार्य बल और एफएसडीए टीम ने हिमाचल में नकली दवा इकाई पर एक समन्वित छापा चलाया। यह ऑपरेशन नकली दवाओं के खिलाफ चल रही कार्रवाई का हिस्सा है।

छापे के दौरान अधिकारियों ने नकली दवाइयों का बड़ा स्टॉक जब्त किया और अवैध उत्पादन के लिए इस्तेमाल की गई जगह को भी जब्त कर लिया। इसके अलावा, कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया।

विशेष कार्य बल ने बताया कि जब्त की गई दवाइयाँ उपभोक्ताओं के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकती हैं। यह ऑपरेशन दवा सुरक्षा नियमों के प्रवर्तन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अधिकारियों ने कहा कि जांच जारी है और नकली दवा व्यापार में शामिल लोगों के खिलाफ आगे कार्रवाई की जाएगी।

धर्म

हिमाचल में नैन देवी मंदिर को तीन वर्षों में 95 करोड़ रुपये के दान



नैन देवी मंदिर, जो हिमाचल प्रदेश के नैनिटाल के पास स्थित है, राज्य के सबसे अधिक दर्शन किए जाने वाले तीर्थस्थलों में से एक है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में भक्तों ने इस मंदिर में कुल 95 करोड़ रुपये के दान जमा किए हैं, जो मंदिर की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

धनराशि दान, मंदिर मेलों और विशेष त्योहारों के माध्यम से एकत्र की गई। हालांकि दान का सटीक विभाजन सार्वजनिक नहीं किया गया, मंदिर प्रबंधन ने बताया कि यह पैसा रखरखाव, बुनियादी ढाँचे के उन्नयन और चैरिटेबल कार्यों के लिए उपयोग किया जाएगा।

प्रशासन ने यह भी बताया कि दान के बढ़ने से मंदिर परिसर का विस्तार संभव हुआ है, जिसमें नई आगंतुक सुविधाएँ और प्राचीन संरचनाओं का नवीनीकरण शामिल है। इसके अलावा, धन का एक हिस्सा स्थानीय परिवारों और तीर्थयात्रियों का समर्थन करने वाले सामुदायिक कल्याण कार्यक्रमों के लिए earmarked किया गया है।

अधिकारियों ने जोर दिया कि इतनी बड़ी राशि का संग्रह क्षेत्र के निवासियों और व्यापक हिंदू समुदाय की गहरी श्रद्धा और भक्ति को दर्शाता है। मंदिर धार्मिक पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बना हुआ है, जो हर वर्ष हजारों भक्तों को आकर्षित करता है।

शिक्षा

एचपी टीईटी नवम्बर 2026 के टीजीटी आर्ट्स व जेबीटी परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी



हिमाचल प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (HP TET) प्राधिकरण ने आज घोषणा की कि नवम्बर 2026 के टीजीटी आर्ट्स और जूनियर बेसिक टिचर (JBT) परीक्षाओं के एडमिट कार्ड अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवार आधिकारिक HP TET पोर्टल से अपने हॉल टिकट डाउनलोड कर सकते हैं।

डownload प्रक्रिया के लिए अभ्यर्थियों को अपने पंजीकरण नंबर और जन्म तिथि को एडमिट कार्ड सेक्शन में दर्ज करना होगा। सत्यापन के बाद पीडीएफ स्वरूप में हॉल टिकट सहेजा या प्रिंट किया जा सकता है। टिकट में परीक्षा केंद्र, तिथि, समय और उम्मीदवार की फोटो दर्शायी गई है, जिसे परीक्षा के दिन वैध फोटो आईडी के साथ प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

टीजीटी आर्ट्स और JBT परीक्षाओं का संचालन इस महीने के अंत में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न केंद्रों में किया जाएगा। उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे अपने हॉल टिकट में दी गई जानकारी को दोबारा जांचें और परीक्षा से पहले किसी भी त्रुटि की सूचना HP TET हेल्पडेस्क को दें।

डownload में तकनीकी समस्या या हॉल टिकट से संबंधित कोई प्रश्न HP TET वेबसाइट पर उपलब्ध संपर्क नंबर और ई-मेल के माध्यम से समाधान किया जा सकता है। प्राधिकरण ने परीक्षा केंद्रों में लागू किए जाने वाले कोविड-19 सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने की भी चेतावनी दी है।

स्थानीय

मणाली के पास तीन-मंज़िला कॉटेज में आग लगी, 11 बिल्लीं मरी



मणाली के पास स्थित एक तीन-मंज़िला कॉटेज में रविवार को आग लग गई। आग ने जल्दी से फैलकर भवन को पूरी तरह जला दिया और अंदरूनी हिस्से को राख बना दिया। अग्निशमन दल कुछ ही मिनटों में पहुंचा, परंतु भवन को बचाने में असफल रहा। कॉटेज में रखी गई 11 पालतू बिल्लीं को ढेर में मृत पाया गया। अब तक कोई मानवीय हानि की सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों ने आग के कारण की जांच चलाने की घोषणा की है।

कृषि

हिमाचल प्रदेश ने FY27 में वैध गांजा खेती के दो लाइसेंस जारी किए



हिमाचल प्रदेश सरकार ने वैध गांजा खेती को अनुमति देने के लिए एक नियमनित ढांचा तैयार किया है, जिसका उद्देश्य औषधीय और औद्योगिक उपयोग को बढ़ावा देना है। इस नई नीति के तहत वित्तीय वर्ष 2027 के लिए दो लाइसेंस जारी किए गए हैं, जो राज्य में वैध गांजा खेती के पहले परमिट हैं।

राज्य के अधिकारियों ने बताया कि यह कदम पहाड़ी किसानों की आय में विविधता लाने और हेम्प-आधारित उत्पादों के घरेलू एवं निर्यात बाजार का फायदा उठाने के लिए है। लाइसेंस पाने वाले किसानों को भूमि आवंटन, सुरक्षा उपाय और गुणवत्ता मानकों जैसी कड़ी शर्तें पूरी करनी होंगी।

सरकार ने एक निगरानी प्रणाली स्थापित की है ताकि खेती कानूनी दायरे में रहे और पौधे का दुरुपयोग न हो। लाइसेंस प्रक्रिया और अनुमानित खेती के क्षेत्रफल के बारे में विस्तृत जानकारी आने वाले हफ्तों में जारी की जाएगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि हिमाचल प्रदेश उन कुछ राज्यों में शामिल हो रहा है जो नियमनित गांजा खेती के प्रयोग कर रहे हैं, जिससे देश की नीति में इस पौधे की आर्थिक संभावनाओं को पहचानने की दिशा में बदलाव दिख रहा है।

यात्रा

चिटकुल: हिमाचल प्रदेश का मनमोहक पहाड़ी गाँव



चिटकुल, हिमाचल प्रदेश के उत्तर भाग में स्थित एक छोटा पहाड़ी गाँव है, जो विशाल हिमालय की पृष्ठभूमि में बसा है। गाँव की पत्थर की गलियों और पारंपरिक लकड़ी के घरों का मिलन आसपास के बर्फ़ीले शिखरों के साथ खूबसूरती से होता है, जिससे आगंतुकों को दूरस्थ पर्वतीय जीवन का अनुभव मिलता है।

पर्यटक चिटकुल की अछूती प्राकृतिक सुंदरता, साफ़ नदियों और क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को देख कर आकर्षित होते हैं। शांति भरा माहौल और विस्तृत दृश्यों के कारण यह किन्नौर मार्ग पर ट्रेकर्स और फोटोग्राफ़रों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बन गया है।

स्थानीय प्रशासन ने यहाँ सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए हैं, जिससे पर्यटकों को नाज़ुक पारिस्थितिकी तंत्र का सम्मान करने और गाँव की सीमित अर्थव्यवस्था को समर्थन देने की अपील की जाती है। इस प्रकार, चिटकुल भारत में जिम्मेदार पर्वतीय पर्यटन का एक उदाहरण बनता जा रहा है।

नौकरी

कैप्टन संजय की नई मर्चेंट नेवी पहल से हिमाचल की बेटियों को मिले नई करियर के रास्ते



कैप्टन संजय, एक अनुभवी समुद्री पेशेवर, ने हिमाचल की बेटियों के लिए मर्चेंट नेवी में करियर के नए रास्ते खोलने के उद्देश्य से एक नई पहल की घोषणा की है।

यह कार्यक्रम प्रशिक्षण और भर्ती के अवसर प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जिससे राज्य की महिलाओं को समुद्री करियर अपनाने का मौका मिले।

मैरिटाइम शिक्षा तक पहुँच और उद्योग के भर्ती अधिकारियों से जोड़कर, यह पहल हिमाचल की महिलाओं के लिए रोजगार विकल्पों का विस्तार करने का लक्ष्य रखती है।

अपराध

हिमाचल प्रदेश के सीएम ने 3 साल में 1,300 से अधिक बलात्कार मामलों की सूचना दी



हिमाचल प्रदेश की विधानसभा के एक हालिया सत्र में मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में राज्य में 1,300 से अधिक बलात्कार मामलों की रिपोर्ट दर्ज हुई है। यह आंकड़ा पुलिस और न्यायालयों में दाखिल सभी शिकायतों को सम्मिलित करता है।

हिमाचल प्रदेश के सीएम ने 3 साल में 1,300 से अधिक बलात्कार मामलों की सूचना दी



हिमाचल प्रदेश की विधानसभा के एक हालिया सत्र में मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में राज्य में 1,300 से अधिक बलात्कार मामलों की रिपोर्ट दर्ज हुई है। यह आंकड़ा पुलिस और न्यायालयों में दाखिल सभी शिकायतों को सम्मिलित करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संख्या केवल दर्ज किए गए मामलों को दर्शाती है और प्रत्येक मामले की गहन जांच की आवश्यकता है। उन्होंने रोकथाम के उपायों को सुदृढ़ करने, न्यायिक प्रक्रिया को तेज़ करने और पीड़ितों को बेहतर सहायता प्रदान करने की बात की।

महिला अधिकार समूह और नागरिक समाज ने राज्य में, विशेषकर दूरदराज़ और पर्यटन क्षेत्रों में, सुरक्षा तंत्र को बेहतर बनाने की लगातार मांग की है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि प्रशासन मौजूदा नीतियों की समीक्षा कर रहा है और इस समस्या को शीघ्र हल करने के लिए अतिरिक्त संसाधन आवंटित करेगा।

शिक्षा

एचपी टीईटी 2026 प्रवेश कार्ड ऑनलाइन जारी, hpbose.org पर उपलब्ध



हिमाचल प्रदेश शिक्षक योग्यता परीक्षा (TET) 2026 का प्रवेश कार्ड आधिकारिक पोर्टल hpbose.org पर जारी किया गया है। उम्मीदवार अपने पंजीकरण संख्या और पासवर्ड से लॉगिन करके PDF देख और डाउनलोड कर सकते हैं। कार्ड में उम्मीदवार का नाम, फोटो, हस्ताक्षर, परीक्षा केंद्र और परीक्षा की तिथियाँ शामिल हैं। पोर्टल में एक QR कोड भी उपलब्ध है जिसे परीक्षा स्थल पर सत्यापन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

प्रवेश कार्ड डाउनलोड करने के लिए, आवेदकों को पहले पोर्टल पर अपनी जानकारी सत्यापित करनी होगी, फिर ‘Download Admit Card’ बटन पर क्लिक करना होगा। फ़ाइल PDF प्रारूप में उपलब्ध है और इसे प्रिंट या भविष्य के संदर्भ के लिए सहेजा जा सकता है। उम्मीदवारों को परीक्षा के दौरान हार्ड कॉपी रखने की सलाह दी जाती है।

TET सरकार के स्कूलों में शिक्षण पदों के लिए आवश्यक योग्यता है। पात्रता के लिए एक स्नातक डिग्री के साथ न्यूनतम 50% अंक, या मास्टर्स डिग्री के साथ 55% अंक आवश्यक हैं। परीक्षा में भाषा, गणित और सामान्य जागरूकता के विषयों का परीक्षण किया जाता है।

परीक्षा का अगला चरण दिसंबर में आयोजित किया जाएगा, और परिणाम जनवरी में घोषित होने की उम्मीद है। उम्मीदवारों को परीक्षा तिथि से पहले अपना प्रवेश कार्ड प्रिंट करके रखना चाहिए ताकि किसी भी अंतिम क्षण की समस्या से बचा जा सके।

मंडी के 500-मीटर गहरी घाटी में कार गिरने से 6 युवाओं की मृत्यु



मंडी-कुल्लू मार्ग पर चल रही एक गाड़ी अचानक 500-मीटर गहरी घाटी में गिर गई, जिसके परिणामस्वरूप छह युवा यात्रियों की मृत्यु हो गई।

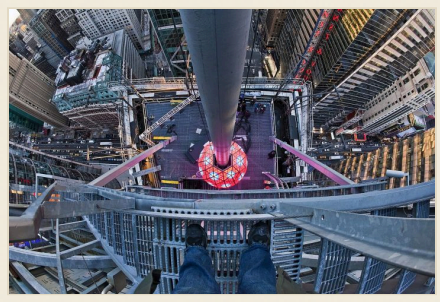
डिस्ट्रिक्ट पुलिस और स्थानीय स्वयंसेवकों की खोज-बचाव टीमों ने कुछ ही घंटों में स्थल पर पहुँच कर बचाव कार्य शुरू किया, परंतु घाटी की गहराई के कारण शवों को निकालना कठिन रहा।

चालक की पहचान और दुर्घटना के सटीक कारण अभी तक सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। पुलिस के प्रारंभिक बयान के अनुसार, दुर्घटना का कारण अचानक नियंत्रण खोना या यांत्रिक विफलता हो सकता है।

हिमाचल प्रदेश पुलिस ने इस घटना की जाँच के लिए एक कार्यदल गठित किया है और मोटर चालकों को पहाड़ी सड़कों पर सावधानी बरतने का आग्रह किया है।

शिक्षा

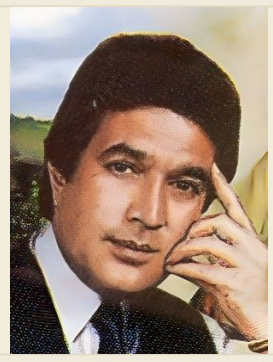
स्कूल की शीतकालीन छुट्टियाँ 2026-27: राज्यवार तिथियाँ और पुनः खुलने का शेड्यूल जारी



टाइम्स ऑफ इंडिया ने 2026-27 शैक्षणिक वर्ष के लिए भारत के प्रत्येक राज्य में स्कूलों की शीतकालीन छुट्टियों के कैलेंडर को विस्तृत रूप से प्रकाशित किया है। इस गाइड में बताया गया है कि अधिकांश राज्यों में छुट्टियाँ दिसंबर के अंतिम सप्ताह से शुरू होती हैं और जनवरी के पहले सप्ताह में स्कूल पुनः खुलते हैं, जबकि सटीक तिथियाँ राज्य के अनुसार अलग-अलग हो सकती हैं। अभिभावकों और छात्रों को अपने राज्य के अनुसार सटीक शेड्यूल के लिए टाइम्स ऑफ इंडिया की वेबसाइट या प्रिंटेड सप्लीमेंट देखना चाहिए। यह जानकारी परिवारों को यात्रा और शैक्षणिक योजनाओं की पूर्व तैयारी में मदद करेगी। अभी तक कोई अतिरिक्त बदलाव की सूचना नहीं दी गई है, और राज्य शिक्षा बोर्डों द्वारा विशेष घोषणा न होने तक ये तिथियाँ वैसी ही रहेंगी।

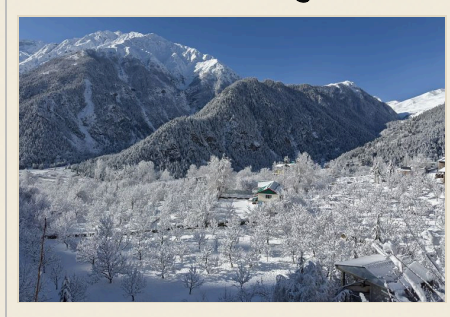
राजनीति

राजेश बान्याल ने सोनी गांधी की पुस्तक को बढ़ावा देने के लिए पहल शुरू की



राजेश बान्याल ने सोनी गांधी की पुस्तक पर केंद्रित एक नई पहल की घोषणा की है। यह पहल पुस्तक की जागरूकता और पठन को बढ़ाने का लक्ष्य रखती है, हालांकि अभी तक विशिष्ट गतिविधियों का खुलासा नहीं हुआ है। बान्याल की यह घोषणा उस समय हुई है जब इस पुस्तक ने सार्वजनिक रुचि को आकर्षित किया है। कार्यक्रम के बारे में आगे के विवरण आने वाले दिनों में अपेक्षित हैं।

हिमाचल की महिलाएं बदलते वर्षा के बीच पांच गांव के झरने पुनर्जीवित



हिमाचल प्रदेश की पहाड़ियों में महिलाओं के एक समूह ने पांच गांव के झरनों को पुनर्जीवित किया है, जो बदलती वर्षा के कारण उपयोग से बाहर हो गए थे।

इस पुनर्स्थापन कार्य का नेतृत्व स्थानीय महिलाओं ने किया, जिनके द्वारा झरने के चैनलों की सफाई और पत्थर की दीवारों की मरम्मत की गई, जिससे आसपास के घरों के लिए विश्वसनीय पानी का स्रोत सुनिश्चित हुआ।

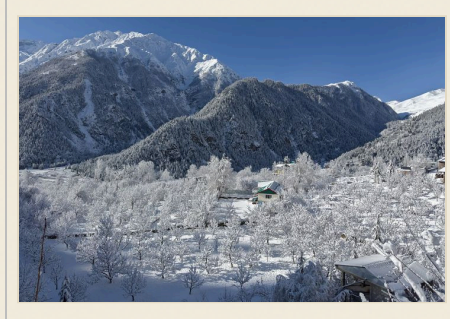
यह पहल इस चिंता के बीच आई है कि अनियमित वर्षा राज्य में पारंपरिक जल प्रणालियों को कमजोर कर रही है, जिससे समुदायों को सतत समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया गया।

स्थानीय अधिकारियों ने महिलाओं के काम की प्रशंसा की, यह बताते हुए कि पुनर्जीवित झरने कृषि और रोजमर्रा की जरूरतों का समर्थन करेंगे, बाहरी जल आपूर्ति पर निर्भरता कम होगी।

यह परियोजना जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने और हिमाचल प्रदेश में आवश्यक जल संसाधनों को संरक्षित करने के लिए जमीनी स्तर की पहल को दर्शाती है।

नौकरी

हिमाचल सरकार के अस्पतालों में ७२ दंत चिकित्सक पद खाली, भर्ती की तिथि अभी नहीं बताई गई



हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में दंत चिकित्सकों के ७२ पद अभी भी खाली हैं। ये रिक्तियां कई महीनों से बनी हुई हैं, जिससे राज्य में दंत सेवाओं पर दबाव बढ़ रहा है।

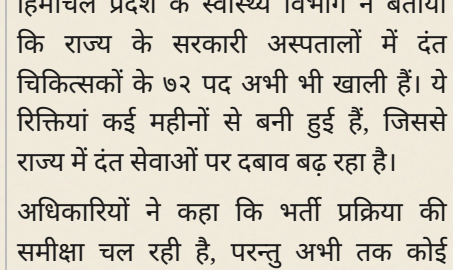
अधिकारियों ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा चल रही है, परन्तु अभी तक कोई आधिकारिक समय-सारिणी जारी नहीं की गई है। इच्छुक उम्मीदवारों को विभाग के नोटिफ़िकेशन पर नज़र रखने की सलाह दी गई है।

राज्य ने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया है, और इन दंत पदों की भरपाई इस व्यापक लक्ष्य का हिस्सा है। भर्ती शुरू होने तक मौजूदा कर्मचारियों को सीमित संसाधनों के साथ काम करना पड़ रहा है।

डेंटल प्रोफेशनल संगठनों सहित कई हितधारकों ने प्रशासन से भर्ती प्रक्रिया को तेज़ करने और जनसंख्या को पर्याप्त मौखिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने का आग्रह किया है।

कृषि

हिमाचल की महिलाएं 5 गांव के झरने बहाल, पानी संकट के बीच



हिमाचल प्रदेश के थाना कशोगा गांव में महिलाओं के एक समूह ने गाँव के घटते जल स्रोतों को बहाल करने की पहल की है।

उन्होंने पाँच सूखे झरनों को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया, जिससे वे फिर से वर्षभर पानी देते हैं।

अभी वे और झरनों पर काम कर रही हैं और सतत रखरखाव पर जोर दे रही हैं ताकि भविष्य में फिर से सूखने से बचा जा सके।

और आधुनिक खेती के तरीकों के कारण भूजल स्तर घट रहा है।

महिलाओं के इस प्रयास से ग्रामीण भारत में जल संकट के समाधान के लिए सामुदायिक पहल का महत्व स्पष्ट होता है।

सरकारी योजना

हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा दावों के 419 करोड़ रुपये अभी भी लंबित, सरकार ने विधानसभा को सूचित किया



हिमाचल प्रदेश सरकार ने विधानसभा को सूचित किया कि स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत ₹419 करोड़ के दावे अभी भी लंबित हैं। यह योजना निवासियों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, परंतु दावों में देरी के कारण कई लाभार्थी प्रतिपूर्ति के लिए इंतजार कर रहे हैं। विधानसभा के सदस्यों ने विलंब पर सवाल उठाया और सरकार से शीघ्र निपटान की मांग की, यह बताते हुए कि समय पर प्रतिपूर्ति पर निर्भर रोगियों पर इसका असर पड़ रहा है। सरकार ने कहा कि वह दावों की समीक्षा कर रही है और लंबित राशि को साफ करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी, परंतु किसी विशिष्ट समयसीमा का उल्लेख नहीं किया गया। यह मामला राज्य में बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रमों के प्रबंधन में आने वाली प्रशासनिक चुनौतियों को उजागर करता है।

कृषि

हिमाचल की सेब की खेती को बदलते बर्फबारी पैटर्न से खतरा



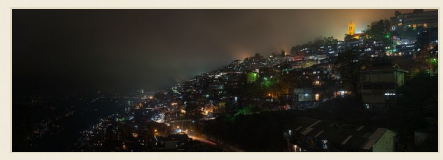
हिमाचल प्रदेश की सेब की खेती, जो राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, बदलते जलवायविक परिस्थितियों के कारण असामान्य चुनौतियों का सामना कर रही है। हाल के रुझानों से पता चलता है कि पहाड़ी इलाकों में बढ़ती गर्मी से पारंपरिक बर्फबारी के पैटर्न बदल रहे हैं, जिन पर सेब के बागों के स्वस्थ विकास का निर्भरता होती है।

सेब के पेड़ों को निद्रा से जागने और फूलने के लिए एक निश्चित अवधि की ठंडी तापमान की आवश्यकता होती है, जिसे 'चिल आवर्स' कहा जाता है। हालाँकि, गर्म हो रहे पहाड़ों में ये महत्वपूर्ण ठंडे घंटे कम हो रहे हैं, जिससे अनियमित फूलों की कमी और फलों की उपज में कमी का खतरा बढ़ रहा है। यह प्राकृतिक चक्र में अंतराल उन किसानों के लिए चिंता का कारण बन रहा है जो अपनी मुख्य आय के लिए सेब की खेती पर निर्भर हैं।

इन पर्यावरणीय परिवर्तनों की आर्थिक प्रभाव गहरे हैं। चूंकि राज्य भारत के सेब उत्पादन में एक प्रमुख योगदानकर्ता है, इसलिए जलवायविक अस्थिरता के कारण उपज या गुणवत्ता में कोई गिरावट स्थानीय बाजारों और राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। कृषि विशेषज्ञ इन विकासों का सावधानी से निरीक्षण कर रहे हैं ताकि क्षेत्र में सेब की खेती की दीर्घकालिक व्यवहार्यता का आकलन किया जा सके।

मुख्य सेब उत्पादक जिलों के किसान अपने बागों में तनाव के प्रारंभिक संकेतों की रिपोर्ट कर रहे हैं, जिनमें से कुछ ने यह भी नोट किया है कि फूलों की समय-सीमा अब ऐतिहासिक औसत के साथ मेल नहीं खाती। यह बदलाव कृषि क्षेत्र में अनुकूलनशील कृषि प्रथाओं की अत्यावश्यकता को उजागर करता है, ताकि जलवायव परिवर्तन से राज्य के बागवानी क्षेत्र पर पड़ने वाले जोखिमों को कम किया जा सके।

हिमाचल प्रदेश ने शिमला, सोलन, सिरमौर और कांगड़ा में चार नई टाउनशिप की योजना घोषित



हिमाचल प्रदेश सरकार ने घोषणा की है कि वह शिमला, सोलन, सिरमौर और कांगड़ा जिलों में प्रत्येक एक नई टाउनशिप विकसित करेगी। यह पहल राज्य में संगठित शहरी बुनियादी ढाँचा बढ़ाने और निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रस्तुत की गई है।

अधिकारियों के अनुसार, इन टाउनशिपों को आधुनिक सुविधाओं के साथ योजना-बद्ध किया जाएगा, जिसमें आवासीय, वाणिज्यिक और सार्वजनिक क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा और मौजूदा सड़क नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इन परियोजनाओं से निर्माण कार्यों में रोजगार सृजन और सहायक आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

रियल एस्टेट विशेषज्ञ इस कदम को हिमाचल में व्यवस्थित आवास और व्यावसायिक स्थानों की बढ़ती मांग के जवाब में देख रहे हैं, जो जनसंख्या वृद्धि और पर्यटन से प्रेरित है। सरकार ने अभी तक टाउनशिपों के विस्तृत समय-सारिणी या लागत अनुमान सार्वजनिक नहीं किए हैं।

आगे की जानकारी आगामी नीति दस्तावेज़ों में आएगी, और कार्यान्वयन में राज्य एजेंसियों, स्थानीय प्राधिकरणों और निजी विकासकों के बीच समन्वय आवश्यक होगा।

शिक्षा

हिमाचल प्रदेश ने स्कूल क्लस्टर प्रणाली लागू की



हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्कूल क्लस्टर प्रणाली शुरू करने की घोषणा की, जिससे स्कूलों के प्रबंधन में संरचनात्मक बदलाव आएगा। इस नई व्यवस्था के तहत स्कूलों को समूहों में बाँटा जाएगा ताकि निगरानी और संसाधन साझा करने में समन्वय स्थापित हो सके। अधिकारियों ने कहा कि यह कदम प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाकर शैक्षिक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाएगा। कार्यान्वयन की समयसीमा के बारे में अभी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है, पर यह नीति स्कूलों की निगरानी में समानता लाने की उम्मीद है। शिक्षा क्षेत्र के हितधारकों ने इस पहल का स्वागत किया है, इसे राज्य में स्कूल प्रशासन को अधिक कुशल बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना गया है।

सरकारी योजना

हिमाचल प्रदेश में सड़क माल परिवहन पर पर्यावरणीय शुल्क लागू



हिमाचल प्रदेश की राज्य मंत्रिपरिषद ने राज्य के भीतर सड़क द्वारा परिवहन किए जाने वाले सभी माल पर पर्यावरणीय शुल्क लगाने का प्रस्ताव मंजूर किया है। यह शुल्क प्रदूषण नियंत्रण उपायों के लिए आय उत्पन्न करने और सतत परिवहन बुनियादी ढाँचे को समर्थन देने के उद्देश्य से लगाया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि यह शुल्क माल परिवहन शुल्क के प्रतिशत के रूप में गणना किया जाएगा और राज्य राजमार्गों व मुख्य arterial सड़कों पर चलने वाले व्यावसायिक ट्रकों पर लागू होगा। यह कदम हिल स्टेशन के क्षेत्र में वायु गुणवत्ता को लेकर बढ़ती चिंताओं के मद्देनज़र उठाया गया है, जहाँ वाहन उत्सर्जन पर्यावरणीय गिरावट में प्रमुख योगदान देता है।

नया शुल्क लॉजिस्टिक लागत में वृद्धि कर सकता है, पर सरकार का मानना है कि कम उत्सर्जन और बेहतर सड़क स्थितियों के दीर्घकालिक लाभ अल्पकालिक वित्तीय प्रभाव से अधिक हैं।

अंतिम अधिसूचना और अनुपालन निगरानी तंत्र की स्थापना के बाद यह नीति इस वर्ष के अंत तक लागू की जाएगी।

राजनीति

हिमाचल कांग्रेस में नई जिलों को लेकर विभाजन: विक्रमादित्य ने शिमला को रोका, बाली ने कांगड़ा को अस्वीकार किया



हिमाचल प्रदेश कांग्रेस ने राज्य सरकार की नई जिलों की प्रस्तावित पुनर्गठन पर आंतरिक मतभेद दिखाए हैं। प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से पेश किया गया यह प्रस्ताव पार्टी के भीतर बहस का कारण बना है।

वरिष्ठ नेता विक्रमादित्य सिंह ने शिमला को अलग जिले के रूप में स्थापित करने के विरोध में अपना मत व्यक्त किया, यह तर्क देते हुए कि राजधानी क्षेत्र की मौजूदा प्रशासनिक व्यवस्था पर्याप्त है। इसी समय, वरिष्ठ नेता बाली सिंह ने कांगड़ा जिले को विभाजित करने की योजना को अस्वीकार किया, संसाधन आवंटन और राजनीतिक प्रभावों को लेकर चिंता जताते हुए। ने इस पुनर्गठन योजना पर एकीकृत रुख नहीं अपनाया है। यह आंतरिक विभाजन क्षेत्रीय आकांक्षाओं और व्यापक प्रशासनिक विचारों के बीच संतुलन बनाने में पार्टी को मिलने वाली चुनौतियों को उजागर करता है।

अब तक राज्य सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया दर्ज नहीं हुई है, और यह मुद्दा आगामी पार्टी बैठकों में चर्चा का विषय बन सकता है।

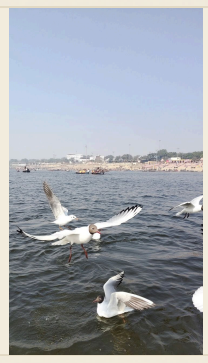
स्थानीय

कंगड़ा ने मोटर चौक के ट्रैफिक को कम करने के लिए नई बस मार्ग शुरू किए



कंगड़ा जिले की प्रशासन ने मोटर चौक, धर्मशाला के मुख्य बस टर्मिनस पर ट्रैफिक कम करने के लिए कई नई बस मार्ग शुरू किए हैं। ये नई सेवाएँ प्रमुख आवासीय और वाणिज्यिक इलाकों को शहर के केंद्र से जोड़ेंगी, जिससे यात्रियों को अधिक सीधा विकल्प मिलेगा। अधिकारियों का कहना है कि विस्तारित नेटवर्क से यात्रा समय घटेगा और भीड़भाड़ वाले चौराहे पर निजी वाहनों की संख्या कम होगी। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, नई मार्गों पर पहले से ही नियमित यात्री आ रहे हैं, जो क्षेत्र में ट्रैफिक के सुचारू प्रवाह की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

हिमाचल प्रदेश में साईबेरियन प्रवासी पक्षियों की उपस्थिति



हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पक्षी प्रेमियों ने साईबेरिया में प्रजनन करने वाले कई प्रवासी पक्षियों के आगमन की पुष्टि की है। ये sightings दिसंबर के शुरुआती हफ्तों में दर्ज हुईं, जो इन प्रजातियों के सामान्य शीतकालीन प्रवास के साथ मेल खाती हैं।

देखे गए पक्षियों में कई जलपक्षी और वॉटरफ़ॉड शामिल हैं, जो साईबेरिया की कठोर सर्दी से बचने के लिये हजारों किलोमीटर की यात्रा करते हैं। इनकी उपस्थिति राज्य की समृद्ध जैव विविधता में इजाफा करती है और इस मौसम में प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करने की संभावना है।

स्थानीय वन अधिकारी इस प्रवाह को नोट कर रहे हैं और आवासों की निगरानी कर रहे हैं ताकि न्यूनतम व्यवधान हो। यह आगमन इको-टूरिज़्म को भी बढ़ावा देता है, कई ट्रेकिंग और बर्ड-वॉचिंग समूह उच्च altitude वाले झीलों और दलदल क्षेत्रों की यात्रा की योजना बना रहे हैं।

अधिकारियों ने दर्शकों से पक्षियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने और वन्यजीव तथा नाज़ुक अल्पाइन पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा के लिए निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करने का अनुरोध किया है।

डॉ. बलबीर ठाकुर को हिमाचल प्रदेश पत्रकार संघ के अध्यक्ष चुना गया



हिमाचल प्रदेश पत्रकार संघ ने बताया कि डॉ. बलबीर ठाकुर को सदस्यों की सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया है। पंजाब न्यूज़लाइन ने इस चुनाव की सूचना दी, जो राज्य के मीडिया पेशेवरों के बीच स्पष्ट सहमति को दर्शाती है।

सर्वसम्मति मतदान इस बात का संकेत है कि पत्रकार समुदाय डॉ. ठाकुर के नेतृत्व में भरोसा रखता है। अध्यक्ष के रूप में वह राज्य भर के रिपोर्टरों के हितों का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिसमें प्रेस की स्वतंत्रता, पेशेवर मानक और कल्याण जैसे मुद्दे शामिल हैं।

उम्मीद है कि नए अध्यक्ष सरकार और मीडिया संस्थाओं के साथ मिलकर हिमाचल प्रदेश में पत्रकारों की कार्य स्थितियों को सुदृढ़ करेंगे। संघ अगले वर्ष की कार्यसूची को डॉ. ठाकुर के मार्गदर्शन में तैयार करेगा।

हिमाचल प्रदेश ने हल्दी का MSP ₹170, गेहूँ का ₹90 कर बढ़ाया



हिमाचल प्रदेश सरकार ने दो प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में बदलाव की घोषणा की है। हल्दी का MSP अब ₹170 और गेहूँ का MSP ₹90 कर दिया गया है। यह निर्णय जीवानटसहन्यूज़ द्वारा रिपोर्ट किया गया है और किसानों को बाजार की अस्थिरता से बचाने के उद्देश्य से लिया गया है। नई दरें आगामी फसल कटाई के दौरान लागू होंगी, जिससे उत्पादकों को न्यूनतम मूल्य की गारंटी मिलेगी। अधिकारियों ने कहा कि यह कदम किसानों की आय बढ़ाने और इन फसलों की आपूर्ति श्रृंखला को स्थिर करने के लिए उठाया गया है।

MSP प्रणाली किसानों को बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद न्यूनतम मूल्य सुनिश्चित करती है। हल्दी और गेहूँ के लिए मूल्य वृद्धि से इन फसलों की लाभप्रदता में सुधार होगा, जो राज्य की कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह घोषणा व्यापक उपायों का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य किसानों की चिंताओं को दूर करना और कृषि विकास को सुदृढ़ करना है।

किसान संगठनों सहित सभी हितधारकों को नई MSP लागू होने की प्रक्रिया पर करीबी नज़र रखने की उम्मीद है। संशोधित MSP की जानकारी राज्य की कृषि विभाग द्वारा जारी किए जाने वाले आगामी अधिसूचनाओं में प्रकाशित होगी।